वार्षिक परीक्षा 2017-2018

हिन्दी

कक्षा : IX

समय : 3 घंटे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

खण्ड 'अ' के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। खण्ड 'ब' से किन्हीं चार प्रसंगों के प्रश्नों के उत्तर लिखें। प्रत्येक पुस्तक से एक-एक प्रसंग हल करना अनिवार्य है।

खण्ड 'अ' (भाषा – 40 अंक)

1. किसी एक विषय पर संक्षिप्त प्रस्ताव लिखें :- **[15]**

(क) किसी ऐसे विद्यार्थी का वर्णन करें जो कुशाग्र बुद्धि का होते हुए कुसंग में पड़कर अपना जीवन बर्बाद कर बैठा।

(ख) पारम्परिक भोजन बनाम फास्ट फूड

(ग) आजकल लोगों में स्वच्छंद आचरण की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है, जिसका कारण है – नैतिक शिक्षा का अभाव। इस पर अपने विचार लिखिए।

(घ) 'स्वच्छ नगर – साक्षर नगर' इस पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ङ) एक मौलिक कहानी लिखें जिसका अन्तिम वाक्य निम्नलिखित हो – ''काश मैंने माँ की बात मानी होती।''

2. किसी एक विषय पर पर पत्र लिखें। **[7]**

(क) छात्रावास में रहनेवाली अपनी छोटी बहन को असफलता से निराश न होने की सलाह देते हुए तथा उसका मनोबल बढ़ाते हुए एक पत्र लिखिए।

(ख) पुलिस अधीक्षक को एक पत्र लिखिए जिसमें यह बताइए कि आपकी कक्षा के विद्यार्थी यातायात के नियमों से पूर्णतः अवगत होने व जनता को इसकी जानकारी देने के लिए पन्द्रह दिनों तक ट्रैफिक ड्यूटी देना चाहते हैं।

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा सभी प्रश्नों के उत्तर यथा संभव अपनी भाषा में दें :- **[10]**

आत्मविश्वास का सबसे बड़ा दुश्मन है – दुविधा। क्योंकि दुविधा एकाग्रता को नष्ट कर देती है, आदमी की शक्ति को बाँट देती है। बस वह आधा इधर और आधा उधर, इस तरह खंडित हो जाता है।

मेरे एक मित्र अपनी पत्नी के साथ जंगल में एक पेड़ के नीचे बैठे बात कर रहे थे। बात करते-करते पत्नी सो गई, वह उपन्यास पढ़ने लगे। अचानक उन्हें लगा कि सामने से भेड़िया चला आ रहा है – उन्हीं की तरफ। भेड़िया एक खूँखार जानवर, वह इतने धबरा गए कि पत्नी को सोता, छोड़कर ही भाग खड़े हुए। भाग्य से कुछ दूरी पर ही उन्हें बन्दूकधारी सज्जन मिल गए। वह उनके पैरों पर गिर पड़े। ''मेरी पत्नी को बचाइए, भेड़िया उसे खा रहा है।'' वह गिड़गिड़ाए।

शिकारी दौड़ा-दौड़ा उनके साथ पेड़ के पास आया, तो उनकी पत्नी यथापूर्व सो रही थी और भेड़िया उसके पास

रखी टोकरी में मुँह डाले पूरियाँ खा रहा था। कहाँ है भेड़िया?" शिकारी ने बंदूक साधते हुए पूछा, तो काँपते हुए वह बोले - "वह तो सामने।" शिकारी बहुत जोर से हँस पड़ा "भले मानस, वह बेचारा कुत्ता है।" क्या बात हुई यह ? वही कि भय ने उन्हें आत्मविश्वास हीन कर दिया।

कृष्ण ने महाभारत में सर्वोत्तम काम यही किया कि पांडवों को उन्होंने आत्मविश्वास से भर दिया। वह अपने कार्य के महत्व को समझते थे, तभी तो पूरे आत्मविश्वास के साथ उन्होंने अर्जुन से कहा था - "परेशान मत हो, युद्ध कर, तू निश्चित रूप से युद्ध में अपने शत्रुओं पर विजय पाएगा।"

नेताजी सुभाषचंद्र बोस जब आई.सी.एस. की प्रतियोगिता में बैठे तो अंग्रेजी परीक्षक ने पूरी तेजी से घूमते हुए बिजली के पंखे की ओर इशारा कर उनसे पूछा, "क्या इसकी पंखुड़ियाँ गिनी जा सकती हैं?" सुभाषबाबू ने झट से पंखा बन्द कर दिया और बोले, "जी हाँ सुगमता के साथ।" परीक्षक प्रसन्न हो गया, पर उसने उन्हें एक बार और कसौटी पर कसा। उन्होंने अपनी अंगूठी उनके सामने रखकर पूछा, "क्या इसमें से सुभाषचंद्र बोस पास हो सकता है?" सुभाष बाबू ने अपने नाम का विजिटंग कार्ड निकाला और मोड़कर उसमें से पास करते हुए कहा, "जी इस तरह।" यह है अटूट आत्मविश्वास। उसके अभाव में यदि वह घबरा जाते और ऊटपटाँग जवाब देते तो फेल हो जाते।

दूसरे हमारी क्षमता का विश्वास करें और हमारी सफलता को निश्चित मानें। इसके लिए आवश्यक शर्त्त यह है कि हमारा अपनी क्षमता और सफलता में अखंड विश्वास हो।

(i) आत्मविश्वास का सबसे बड़ा दुश्मन क्या है और क्यों ?

(ii) मित्र ने कुत्ते को भेड़िया समझकर क्या किया ? उनके साथ ऐसी घटना क्यों घटी ?

(iii) श्री सुभाषचंद्र बोस पहली बार अपने परीक्षक की कसौटी पर कैसे रखे उतरे ?

(iv) दूसरी बार परीक्षक ने उनसे क्या पूछा और सुभाषचंद्र बोस ने क्या किया ?

(v) कृष्ण ने महाभारत में सबसे बड़ा कार्य क्या किया था ? उन्होंने अर्जुन से क्या कहा था ?

4. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची लिखें :- [1]

यश, मिथ्या, बुद्धि, रचना

5. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विलोम शब्द लिखें :- [1]

स्वाधीन, संकीर्ण, समष्टि, विकास

6. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक से वाक्य बनाएँ :- [1]

दौड़-धूप करना, फूला न समाना, दिन फिरना

7. किन्हीं दो शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाएँ :- [1]

चिकना, ढीठ, भक्त, शांत

8. निम्नलिखित अनेकार्थी शब्दों में से किसी एक के दो अर्थ लिखें :- [1]

स्नेह, विषम, राशि, योग

9. निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन करें :- **[3]**

(i) कोई आदमी अपने को पहचाने बिना जिन्दगी से पूरा लाभ नहीं उठा सकता है।
('अपने को पहचाने बिना' से प्रारम्भ करें।)

(ii) तुमने इस प्रश्न का उत्तर विस्तार ने नहीं लिखा।
('नहीं' हटाइए परन्तु वाक्य का अर्थ न बदले)

(iii) भीष्म आजन्म ब्रह्मचारी रहे।
(वाक्य शुद्ध करें।)

खण्ड 'ब' (साहित्य 40 अंक)

साहित्य सागर (गद्य भाग)

1. आनंदी अपने नए घर में आयी, तो यहाँ का रंग-ढंग कुछ और ही देखा। जिस टीम-टाम की उसे बचपन से ही आदत पड़ी हुई थी, वह नाममात्र की भी न थी।

(i) आनंदी के मायके और ससुराल में क्या अंतर था ? [2]

(ii) आनंदी ने खुद को किस प्रकार ढाल लिया था ? [2]

(iii) 'बड़े घर की बेटी, किफायत क्या जाने' यहाँ बड़े घर की बेटी कौन है और उसके विषय में क्या व्यंग्य किया गया है ? स्पष्ट करें। [3]

(iv) 'घी की नदी बहती हो' - कथन में किसने, किस पर व्यंग्य किया है ? इस व्यंग्य (में निहित) का अर्थ स्पष्ट करें। [3]

2. "आदमियों की दुनिया ने बस यही उपहार छोड़ा था।"

(i) उपरोक्त पंक्तियाँ किसके विषय में है ? उसका पूर्ण परिचय दें। [2]

(ii) वक्ता कौन है ? वह इस वक्त कहाँ और क्यों उपस्थित है ? [2]

(iii) जरा सी उम्र में मौत होने का कारण क्या था ? [3]

(iv) पाठ के उद्देश्य पर प्रकाश डालें। [3]

3. भोला और श्यामू को धमकाकर बोले, "तुमने हमारे कोट से रुपया निकाला है ?"

(i) रुपया किसने निकाला और क्यों समझाकर लिखिए। [2]

(ii) रुपया निकालने के अपराध में किसको, क्या दण्ड मिला ? स्पष्ट कीजिए। [2]

(iii) भोला और श्यामू कौन है ? वे इस समय कहाँ है और क्या कर रहे है ? [3]

(iv) धमकाने वाला वह व्यक्ति कौन है ? उनके क्रोध का क्या कारण है ? [3]

पद्य

4. **ऊँचा खड़ा हिमालय, आकाश चूमता है,**
नीचे चरण तले पड़, नित सिन्धु झूमता है ।
गंगा, यमुना, त्रिवेणी, नदियाँ लहर रही हैं,
जगमग छटा निराली, पग-पग पर छहर रही हैं ।
वह पुण्यभूमि मेरी, वह स्वर्णभूमि मेरी
वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी ।

(i) 'पग-पग पर छहर रही' से कवि का क्या तात्पर्य है समझाकर लिखिए। [2]

(ii) कवि का नाम लिखते हुए कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए। [2]

(iii) 'त्रिवेणी' से कवि का क्या अभिप्राय है ? उपर्युक्त पंक्तियों के आधार पर देश के प्राकृतिक सौन्दर्य का वर्णन करें। [3]

(iv) कवि ने भारत को 'पुण्यभूमि' और 'स्वर्णभूमि' क्यों कहा ? [3]

5. **जाके प्रिय न राम वैदेही ।**
तजिए ताहि कोटि वैरी सम जद्यपि परम सनेही ।।
तज्यो पिता प्रह्लाद, विभीषण वन्धु, भरत महतारी ।
बलि गुरु तज्यो, कव ब्रज बनिताह्नि, भए-मुद मंगलकारी ।।
नाते नेह राम के मनियतए सुहृद सुसेव्य जहाँ लौं ।
अंजन कहा आंख जेहि फूटै, बहु तक कहौं कहाँ लौं ।।
तुलसी सो सब भांति परमहित पूज्य प्रान ते प्यारो ।
जासों होय सनेह राम-पद, एतो मतो हमारो ।।

(i) कवि तुलसीदास को हिन्दी जगत का क्या कहा जाता है ? उनकी सर्वाधिक लोकप्रिय कृति क्या है ? उसके बारे में लिखिए। [2]

(ii) राजा बलि और ब्रज की गोपियों का उदाहरण कवि ने क्यों दिया है ? [2]

(iii) प्रह्लाद, विभीषण और भरत के उदाहरणों द्वारा कवि क्या दर्शाना चाह रहे हैं ? स्पष्ट करें। [3]

(iv) कवि ने किसका त्याग करने के लिए कहा है और क्यों ? इससे कवि की किस भावना का पता चलता है? [3]

6. **पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए,**
आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाए,
बाँकी चितवन उठा नदी ठिठकी, घूँघट सरखए।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के ।

(i) कवि का नाम लिखते हुए बताइए कि मेघ का मानवीकरण करते हुए कवि ने क्या कहा है ? [2]

(ii) पेड़ किसे और किस प्रकार देख रहा है ? [2]

(iii) 'आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाए' का अर्थ लिखते हुए बताइए कि धूल की उपमा किससे और क्यों की गई है। [3]

(iv) कविता के माध्यम से कवि ग्रामीण संस्कृति की मनोहारी झलक प्रस्तुत करने में सफल रहे हैं ? कैसे ? समझाकर लिखें। [3]